an>

Tilte: Need to provide financial subsidy to vegetable growers for irrigation in Chhattisgarh.

श्री तामध्वज साहू (दुर्ग) : पूरे देश में विशेषकर छत्तीसगढ़ में सब्जियों के दाम सालभर बहुत अधिक रहते हैं। बड़े कृषि फार्मों में सब्जी उत्पादक खुद सिंचाई साधन बना लेते हैं लेकिन ग्रामीण अंचलों में निवासरत सब्जी उत्पादक जिन्हें मरार (पटेल) कहा जाता है जिनके पास एक एकड़, आधा एकड़ या उससे भी कम जमीन होती है जिसे बाड़ी कहते हैं, उनके पास कोई सिंचाई का साधन नहीं होता जो अत्यंत गरीब होते हैं और अपनी सब्जी सिर पर रखकर गाँव-गाँव घूमकर बेचते हैं। पहले ये कुँआ खोदकर सिंचाई करते थे जिसके लिए "शाकभरी योजना" के तहत छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कुछ अनुदान भी दिया जाता है। परंतु अब जल स्तर काफी नीचे जा चुका है। इनको काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में बोर व पम्प के अलावा कोई साधन इनकी खेती की सिंचाई के लिए नहीं हो सकता।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि केन्द्र शासन व राज्य शासन द्वारा ट्यूबवेल खनन व सबमर्सिबल पम्प के लिए शत-प्रतिशत अनुदान ऐसे सब्जी उत्पादक कृषकों को तत्काल प्रदान करने की कार्यवाही की जाए।